



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पं० १]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1993 (पौष 12, 1914)

०. १]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1993 (PAUSA 12, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

पा. I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं

गा. I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं

गा. I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं

गा. II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

भाग II—खण्ड 1—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ

गा. II—खण्ड 2—विवेक तथा विवेकों पर प्रवर भवितियों के बिल तथा रिपोर्ट

गा. II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियों आदि भी शामिल हैं)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

*आंकड़े प्राप्त नहीं।

1—391 GI/92

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)

*

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

*

भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-पारिक्रम, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और धनीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

1

भाग III—खण्ड 2—पेटेन्ट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस

1

भाग III—खण्ड 3—मुद्रा आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

*

भाग III—खण्ड 4—विधिव अधिसूचनाएं, जिनमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, ग्राफेज, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

1

भाग IV—पैर-मालारी व्यक्तियों और गैर-मालारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस

1

भाग V—ग्रामेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुपूरक

*

*

*

*

*

CONTENTS

	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.			
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	PART II—SECTION 3—Sub SEC. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4) of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Byelaws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) *	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 3—Sub-SECTION(i)—General Statutory Rules (including Orders, Byelaws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 3—Sub-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1
		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folio Nos. not received

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and Supreme Court]

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1992

आदेश

विषय —तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को कच्छ अपतटीय ब्लाक-I विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की पुनः स्वीकृति ।

सं. ओ०-12012/14/92-ओ० एन० जी० डी०-4—
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को (जिसके पश्चात आयोग कहा गया है) कच्छ अपतटीय ब्लाक-I विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 1 जनवरी, 1993 (1-1-1993) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची ‘क’ में दिए गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण व्यौरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शुल्क (रायलटी निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :—

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्डेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।

स्वत्व शुल्क (रायलटी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेवा अधिकारी को को जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुभरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कन्डेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची ‘क’ व “ख” में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा।

(इ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रति वर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलो-मीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस

में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर
की जायेगी :—

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये
- (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये
- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये
- (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये
- (5) लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये।
- (छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।
- (ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मार्ग किए जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खर्चिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से लेगा तथा हर 6 महीना में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यवधन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।
- (झ) आयोग समद्वय की "तलछटो" और या उसको सतह पर आग बुझाने संबंधी नियारक आयोग की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने के द्वारा हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साइरन बनाने रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।
- (ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।
- (ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अपनी अधिकारिय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।
- (ठ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए वाथी मीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े यथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(इ) आयोग समुद्री विज्ञान अधिकारी द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(ट) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित होंगे।

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सबंधित जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयारी की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निश्चित उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'
कठ्ठ अपतटीय ब्लाक-II विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग-
किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

प्लाइट	अक्षांश	देशांश
के	22° 45" 00"	67° 55" 00"
एल	22° 45" 00"	68° 40" 00"
ए	23° 00" 00"	68° 40" 00"
बी	22° 45" 00"	69° 12" 00"
सी	22° 45" 00"	69° 19" 00"
एफ	22° 33" 00"	69° 19" 00"
जी	22° 33" 00"	68° 55" 00"
एच	22° 12" 00"	68° 55" 00"
एम	22° 10" 00"	68° 20" 00"
ओ	22° 10" 00"	68° 05" 00"
ओ	21° 55" 00"	68° 05" 00"
क्यू	21° 55" 00"	68° 11" 30"
आर	21° 39" 00"	68° 11" 30"
जे	21° 39" 00"	67° 55" 00"

अनुसूची-ब

उ तेल, कैरिंग कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

(क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ख) कैरिंग हैड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु- मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त धन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए धन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये धन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त धन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद् द्वारा मैं श्री सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० मार्टिन
डेस्क अधिकारी

आदेश

विषय :—तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को कावेरी अपतटीय सी० वाई० ओ० एस०-९०/१ ड्लाक के ८१.०० वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की मंजूरी ।

सं० ओ०-१२०१२/२६/९२-ओ० एन० जी० डी०-४--
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, १९५९ के नियम ५ के खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को (जिसे इसके पश्चात आयोग कहा गया है) कावेरी अपतटीय सी० वाई० ओ० एस०-९०/१ ड्लाक के ८१.०० वर्ग कि० मी० क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की २ सितम्बर, १९९२ (२-९-१९९२) से ४ वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची “क” में दिए गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा ।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण छायेर के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा ।

(ग) स्वत्व शुल्क (रायलटी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :—

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्डेन्सेट पर ३१४ रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी । (ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी ।

स्वत्व शुल्क (रायलटी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी ।

(घ) आयोग लाइसेंस के

प्रथम ३० दिनों में गत धित तेल की मात्रा, केसिंग प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा रूपरूप दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित सरकार को भेजेगा । यह विवरण संलग्न “क” “ख” में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा ।

(इ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, १९५९ के नियम-II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग ५,०००/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा ।

(च) आयोग प्रति वर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिपका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :—

(१) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए ८/- रुपये

(२) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए ४०/- रुपये

(३) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए २००/-रुपये

(४) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए ४००/-रुपये

(५) लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए ६००/- रुपये ।

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, १९५९ के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित अवधि नोटिस देने के बाद होगी ।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मांग किए जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से

लेगा तथा हर 6 महीनों में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यवधान तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(अ) आयोग समुद्र कीं “तलछटी” और या उसकी सतह पर आग बुझाने सम्बन्धी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण सामान तथा साधन बनाए रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ब) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपर्युक्त लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(छ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए वाथीमीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े यथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ड) आयोग समुद्री विज्ञान आकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

(ढ) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान सम्बन्धी आंकड़ों की तैयार की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निश्चल उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची ‘क’

कावेरी अपतटीप ब्लाक सी बाई-ओ एस-90/1 के लिए 81.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

पाइंट	अक्षांतर	देशान्तर
ए	11° 19" 14"	एन 80° 03" 33"ई
बी	11° 20" 16"	एन 80° 01" 00"ई
सी	11° 18" 17"	एन 79° 58" 38"ई
डी	11 14" 07"	एन 79° 58" 13"ई
ई	11° 13" 45"	एन 80° 02" 12"ई

अनुसूची "ख"

अशोधित तेन, केंसिंग हैड कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण
के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस
क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

(क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये गयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु-मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ख) केंसिंग हैड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये गयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटा-कर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त धन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये गयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये धन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये धन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त धन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्णरूप सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० मार्टिन
इंस्क अधिकारी

आदेश

विषय :—तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को आर० एस० पी० संरचना क्षेत्र के 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति ।

सं० ओ०-12012/64/91-ओ० एन० जी० डी०-4—
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन देहरादून को (जिसे इसके पश्चात आयोग कहा गया है) आर० एस० पी० संरचना क्षेत्र के 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 18 मार्च, 1991 (18-3-1991) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण व्यौरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शुल्क (रायलटी) निम्नलिखित दरों पर ली जाएगी :—

- (1) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कंडेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या एसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।
- (ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी।

स्वत्व शुल्क (रायलटी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय नई दिल्ली के बेतन तथा नेहरा अधिकारी को की जायेगी।

2—391GI/92

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसारण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कंडेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :—

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये
- (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये
- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये
- (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये
- (5) लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये।
- (छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी झेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।

- (ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मांग किये जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर 6 महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनाओं, व्यवधान तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।
- (झ) आयोग समुद्र की "तलछटी" और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।
- (ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।
- (ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अप्रतीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।
- (ठ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बाधीमीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े यथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।
- (ड) आयोग समुद्री विज्ञान आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- !(द) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।
- (ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।
- (त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयार की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'

आर एसपी संरचना क्षेत्र के लिए 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

प्लाइट	अक्षांश	देशान्तर
क	18° 00" 00"	72° 03" 00"
ख	18° 00" 00"	72° 12" 00"
ग	17° 40" 00"	72° 12" 00"
घ	17° 40" 00"	72° 03" 00"

अनुसूची—“ख”

अशोधित तेल, केसिंग हैंड कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण
के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

(क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ख) केसिंग हैंड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनु- मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त धन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए धन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये धन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त धन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं श्री सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ
कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह
घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० भार्टन
हस्ताक्षर

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1993

सं. 92/इ०. (जी. आर.) ।/।/।।—यात्रिकों इन्जीनियरों का भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रणी अप्रैलिंग्सों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से सभ लोक सेवा आयोग द्वारा 1993 में ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत की जाने वाली संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. सभ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणामित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी^१ जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जांबिया, मलाबी, जेरे इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रता (एलिजिबिलिटी) प्रभाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता-प्रभाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बन्ध में पात्रता प्रभाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु पहली जनवरी, 1993 को 16 वर्ष हो चुकी हो लैंकिल 20 वर्ष न हो हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1973 से पहले और पहली जनवरी, 1977 के बाद का न हो।

(ख) उपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में ढील दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार कुवृत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन दशों में से किसी दश से 15 मई, 1990 के बाद लैंकिल 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृत्तन कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवृत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन दशों में से किसी दश से 15 मई, 1990 के बाद लैंकिल 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृत्तन कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्यवाही के दौरान विकलाग होने के फलस्वरूप सेवा स मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्यवाही के दौरान विकलाग होने के फलस्वरूप सेवा स मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अन्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) पहली जनवरी, 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की हो और जो (1) सदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल

समाप्ति पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी साम्मालत हैं जिनका कार्यकाल पहलो जनवरी, 1993 से एक वर्ष के अन्दर पूरा न होता है)। या (2), सौनिक सेवा से हुई शारारक अपगतया (3), अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में आधिक से आधिक 5 वर्ष तक।

(7) जिन भूतपूर्व सौनिकों ओर कमीशन प्राप्त आधिकारियों/बल्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त आधिकारियों साहबों न, पहली जनवरी, 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सौनिक सेवा की है और जा [1] क्रियाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्ति पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1993 से एक एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है)। या (2), सौनिक सेवा से हुई शारीरिक अपगतया (3), अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में आधिक से आधिक 10 वर्ष तक।

(8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त आधिकारियों/बल्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त आधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी, 1993 को सौनिक सेवा की 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से अधिक भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और यद्यन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से हीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष।

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के एसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त आधिकारियों/बल्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त आधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी, 1993 को सौनिक सेवा की 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से अधिक भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और यद्यन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से हीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में नियंत्रित आयु सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।

टिप्पणी 1—“भूतपूर्व सौनिक” शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सौनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियमावली, 1979 में से भूतपूर्व सौनिक के रूप में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—[नियम 5 (ख) (2) स (9) के अन्तर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट प्राप्त करने के बाद नियमावली क्षेत्र में सरकारी नाकर्ड पहल हो ले ली है तो वह आयु सीमा में छूट के पास नहीं है।

6. उम्मीदवार ने—

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बाड़ का हॉटेल संकेन्द्री (12 वर्ष) प्राक्षात्र गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;

(ख) स्कूली शिक्षा की (10+2) प्रणाली के अन्तर्गत हायर संकेन्द्री (12 वर्ष) प्राक्षात्र गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो। या

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (सान्ध्य कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार विषयों पाठ्यक्रम के छात्रों वर्ष में प्रोलंति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय रहा हो, लैंकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर/माध्यमिक परीक्षा पा० पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम द्वितीय वर्ष की पड़ीका प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित वा साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में एक विषय वा साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं लैंकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(इ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(ज) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लैंकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांचवर्षीय इंजीनियरी डिप्री पाठ्क्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की है व आवेदन-पत्र भेज सकत है लाकन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वाया ली गई हो, या

(छ) केरेल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गुणित के साथ भीतिकी और उसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इटरसीडीएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोइँ विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी शैक्षणिक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंतर्कीन सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—कोइँ एसा उम्मीदवार जो कि एसी परीक्षा में बठ चुका है जिसने पास करने से वह इस परीक्षा में बैठन का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उस नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेज सकता है। यदि कोइँ उम्मीदवार एसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन-पत्र दे सकता है। एसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो पुरुषों में प्रवेश मिल जाएगा लेकिन उसके प्रवेश को अनोन्तम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 30 अगस्त, 1993 तक पूरा नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—आपवार्द्धक भागलों में, आयोग किसी एस उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में संलोड भी अर्हता न हो लेकिन एसी अर्हताएँ हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का पहले भर्त होने के उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा बोर्ड द्वाया दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा हैं वे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैंटिस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फौस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकर्षित या दर्तीनक दर कर्मचारी से दूतर स्थाई या अस्थाई हैंसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैंसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन संवारत हैं, उन्हें यह परिवर्चन (अंडर-टर्निंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में

बैठने से सम्बद्ध अनुसर्ति रखते हुए कोइँ पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनका उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोइँ उम्मीदवार पात्र हैं या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्नाकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :—

(1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या

(2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

(3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या

(5) अशैद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या

(6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठान का प्रयत्न करना; या

(7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों। या
(8) उत्तर पूर्सिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटवहार किया हो; या

(10) परीक्षा चलाने के दौरान आधोग द्वाया नियूक्त कर्मचारियों को पढ़ावेन किया हो; या अन्य प्रकार की तारीफ़िक काति पढ़ाया हो; या

(11) परीक्षा की अनुमति द्वारा हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा

(12) उपर्युक्त वाक्यांश में निर्धारित सभी या कोइँ भी कृत्य करने का प्रयत्न करने या उसे अवप्रेरित करने जैसा भी भागला हो, का दोषी हो या आयोग द्वाया दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विशद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

(क) आयोग द्वाया उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है; अर्हक घोषित किया जा सकता है; और या

(ख) उसे स्थाई रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

(1) आयोग द्वाया अवधि अयोजित परीक्षा या चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विवरद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावदन जो वह देना चाहे, प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनमत समय में प्रस्तृत अभ्यावदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर दिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हकैं अंक प्राप्त कर लेते हैं, जिनमें आयोग स्वीकृत करते हैं, उन्हें आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार की लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनसूचित जाति या अनसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उसके लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाए भूल जाएं तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अनिम्न रूप से प्राप्त उसके कल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से नमीदवारों की सची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाता है।

(2) किसी भी अनसूचित जाति अथवा अनसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनसूचित जातियों और अनसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनशंसा की जा सकती है बशत् कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हैं।

बशत् कि अनसूचित जाति अथवा अनसूचित जनजाति के जिस उम्मीदवार की इस उप नियम में उल्लिखित छूट दिए जिन आयोग द्वारा अनशंसा की गई हो उन्हें अनसूचित जाति तथा अनसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल जिस रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वीकृत कर सकता है और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पक्ष व्यवहार नहीं करता।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार वाद्यक जांच पड़ताल की बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पर्याप्त बत्त की ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ हाना चाहिए और उसमें एसा कोई शारीरिक दाष नहीं हान। चाहिए जो सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में द्वाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जान हुआ है कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उसकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगा (शनिवार, रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होती)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रति 9.00 बजे, अतिरिक्त मूल्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे बसन्त लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार बच्चा लंगाए हों तो उन्हें हाल ही के चब्बे के नम्बर के साथ मैडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हाल में डाक्टरी जांच से छूट के कनूरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार यह भी नोट कर ले कि :

(1) उनको रु. 16/- (सोलह रुपए) की नकद राशि मैडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;

(2) डाक्टरी जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

(3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर ले कि उसके रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो उनके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवंदन करने से पहले सिविल सज्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किसी प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और इसमें उनसे किस स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका ब्यौरा इन नियमों के परिशास्त 2 में दिया गया है। अपाहिज, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति :

(क) जिसने इसे व्यक्ति से विधाह किया हा वथा विधाह करने की सौनिदा की हा, जिसकी एक पत्ती जिसका पैत जीवित हा, वथा

(ब) जिसने एक पत्नी/पर्ति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीकार्य विधि के अंतर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है और ऐसा करने के अन्य कारण है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के लिए अप्रेंटिसों की शर्त परिशिष्ट-3 में दी गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

मौसिम्बुज्जामन, सचिव
रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

(दैखिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग—1 नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग—2 व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (दैखिए नियम 12)

2. भाग 1 के अंतर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्र. सं.	विषय	कोड सं.	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
सं.			समय	समय
1.	अंग्रेजी	01	2 घण्टे	100
2.	सामान्य विज्ञान	02	2 घण्टे	100
3.	भौतिकी	03	2 घण्टे	100
4.	रासायन विज्ञान	04	2 घण्टे	100
5.	गणित -I (बीज गणित), प्रारम्भिक विस्तार कलन, विकोणमिति और विश्लेषणात्मक ज्यामिति)	05	2 घण्टे	100
6.	गणित-II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थिति की तथा भौतिकी	06	2 घण्टे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घण्टे	100
	योग		700	

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "वस्तुपरक प्रश्न" होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुर्ध्व-2) के साथ लागी उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" देखें। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

4. प्रश्न-पत्र में जहां आवश्यक हो केवल माप द तोल की मीट्रिक प्रणाली से संवद्ध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लाभग इंटरमीडिएट सर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अहंक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए केलकन्टेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 01) प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश :

जीवन का विकास, पौधे और पशु, वंशांगत और परिवेश आनुवंशिकी प्रकोष्ठ क्रोमोसोम, जीन।

मानव शरीर की जानकारी—होशाहार मंत्रिलित भोजन प्रतिस्थापन स्वाद महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम सदित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता वानावरणीय प्रदर्शन और उसकी रोकथाम। स्वाद अपरिमित राहानों और उनसे निर्मित उत्पादों को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। उनसंस्था विस्टार उत्पादन, स्वाद और कच्चे सामान का स्तरांदान। पश्चिमों का संप्रजनन, कृषि गर्भाधान, स्वाद और सर्वरक, कमल रक्षण उपाय, अधिकतम क्लिम्स और हरित क्रांति भारत के मरु अनाज और नकदी फसलों।

सौर परिवार और पर्थ्वी। ऋतुएं, जलवाय, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग प्राकृतिक मंटप (चक्रवात तफान, बाढ़, भक्षण, ज्वालामुखी उदगार)। रानी और नदियां और भारत में भिंचार्ड के लिए उनका गोचादान। भारत ग्रामपालिक राज्यों और उद्योगों का विवरण तेत सद्वित भगत सरनिजों की सोज। भारत के वनस्पतिजात और प्राणिजात के विषय मंदिर के साथ प्राकृतिक माध्यन।

भारत का इतिहास राजनीति और समाज :

वैदिक, महावीर, बौद्ध, मौर्य, शंग, आनंद कशान, गम्भीर काल (मौर्य कालीन सम्भ, स्त्रा कन्दगार मांची, मथुरा और गन्धर्व विद्वालय मंदिर वास्तकता अंगता और एलोरा)।

इम्प्रेस के आने के साथ नड़ शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक मंदिरों की स्थापना। समंतवाद में धंजीवाद में स्थानान्तरण। राष्ट्रीय संघों की ज़रूरत। भारत में दिनिग ज्ञान की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गत्वाय मंगाम।

भारत का संविधान और इसको महत्वपूर्ण विशेषताएँ—लोकतंत्र, धर्मीनरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और प्रशंसन की संसदीय प्रणाली प्रभूत्ति-राजनीतिक विचार धाराएँ—लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद दिचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रशासनाली गृट, लोकमत और प्रेस चूनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट नियंत्रण—शस्त्र नियंत्रण होड़ शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मूल्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था से हाल में हुए परिवर्तनों और दीप्तिकोण अल्पसंस्थक सामाजिक संस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण, पुरुषकार और सभा, कला, कानून, रीत-रिवाज, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक, नियंत्रण की एजेंसियों—परिवार, धर्म, राज्य शक्तिक व्यवस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन के कारण, आर्थिक, औद्योगिकीय जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन

जातिवाद, साम्यदायिकता, जनजीवन में भूष्याचार, धूबक अशान्ति, भौतिक मांगना, बीषध अपराधवृत्त और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और श्रम, कल्याण, अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दीप्तिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण संतुलित बनाना असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास स्फीती और साधन जटाने के संबंध में मूल्य स्थिरीकरण समस्याएँ भारत की पंच-शर्धीय योजनाएँ।

भौतिकी (कोड सं. 03)

बर्नियर, स्कूगेज, स्फीरोमीटर और आप्टोकल लीवर प्रयोग करते हुए लंबाई की माप।

समय और दृव्यमान का माप:

सरल रैखिक गति और विस्थापन, वेग और स्वरण के लोड संबंध।

न्यूटन के गति के नियम, संवेग, आवेग, कार्य, उर्जा और शक्ति।

कर्तिकी गणांक :

बल क्रिया के अंतर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आधारीय धृगपत न्यूटन का ग्रन्त्वाकरण सिद्धान्त। पलायन वेग, प्ररूपन के ज्ञान स्वरण। दृव्यमान सथा भार। ग्रन्त्व केवल एक समान ज्ञानीय गति अभिकेन्द्र बल। सरल आवर्त गति। सरल अपेक्षक।

इव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई। पास्कल का नियम। आर्कीमिडोज का सिद्धान्त, तैरने वाले पिण्ड, परिवर्ती दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तपीय प्रसार। ऐस नियम और परम साप। विशिष्ट उष्मा। गृह्ण उष्मा और उसकी माप। गैसों की विशिष्ट उष्मा। उष्मा का यांत्रिक समकक्ष आंतरिक उर्जा और उष्मागति का पहला नियम। समपाती और रुद्रव्योष्म परिवर्तन।

उष्मा संचरण; तापीय चालकता:

तरंग गति अनदौर्ध और अनुप्रस्थ तरंगे। प्रगामी और अप्रगामी तरंगे। ऐस में ध्वनी का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिवर्तन (वायु स्तम्भ और रज्जु)।

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन। वक्र दर्पणों और लैंसों द्वारा बिंब रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दीप्त दोष)।

प्रिज्म ह—विचयन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन छया स्पेक्ट्रम।

छड़ चूम्बक का क्षेत्र। चूम्बकीय आवृण। भू चूम्बकीय क्षेत्र के तत्व चूम्बकत्वमापी। डाय, पैरा और केरी चूम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा—विद्युत सेल, ई. एम. ई., प्रतिरोध एमीटर और बोल्टमीटर। ओहम का नियम। श्रेणी और समानतर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता धारा का सापन प्रभाव।

क्रॉटस्टोन ब्रिज, विभवमापी:

धारा का चूम्बकीय प्रभाव: सीधे तार कुंडली और सोलिनड़ : विद्युत चूम्बक, विद्युत धंटी।

चूम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल; चल कुंडली धारामापी, एमीटर या बोल्टमीटर, परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव: प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम।

विद्युतचूम्बकीय प्रेरणा सरल ए. सी. तथा डी. सी. जनित्र। ग्रंसफार्मर। अपघटन कुंडली।

कैथोड किरणें, एलैक्ट्रान की खोज, परमाणु का बोहर माडल शोड़ और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

एक्स किरणों का उत्पादन, गृण और उपयोग।

ऐंडियोग्रामिता—एल्फा, बीटा और गामा किरणें।

जानकीय उर्जा, विखंडन और सलयन, : दृव्यमान का उर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं. 04)

औतिकी रसायन विज्ञान:

- परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण माडल। क्रिविस माडल और स्ट्रेट दें परमाणु। कक्षाएँ परिसंकल्पना। क्वार्ट्स, संरूप और इनर्की विशेषताएँ क्रेबल कारिम्बल। अभिक्रिया। पार्ली क्रिप्पवर्जन सिद्धान्त। डिलेक्टोनिक विन्यास। लेफ्ल सिद्धार्थ एम. डी. ही. और एफ. ब्लाक तस्वीर।

आवर्ती वर्गीकरण :—केवल बीर्च रूप। आवर्त और इलैक्ट्रो-निक विद्युत परमाणु अनुपात। आवर्तक और शूपों में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आबंटन, इलैक्ट्रोलेट, कोबलेट कॉर्टेनेट, की ब्लैंट बंधन। जा. तथा एक्स। बंधनों के बंधन गुण, जल, हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मोलेक्यूलर संबंध और हाइड्रोजन आबंधन।

3. रासायनिक अभिक्रिया, ऊर्जा परिवर्तन, उष्मा उन्मीची और उष्माशोषी अभिक्रिया। उष्मासंतीकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर उष्मा संकलन की हाँस का नियम।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दरें। द्रव्यमान व क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। नापसात और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ला चेटिलियर के मिदांत पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) आण्विकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं। संक्रियण की ऊर्जा परिवर्तन। अमीनिया और सल्फर ट्राइआइड के निर्माण के लिए प्रयोग।

5. विलयन, इम्प्रेसिव विलयन, क्लोरोडल विलयन और स्थगन। टन विलयनों के अनुसंधान गणभार्म और तिलान पदार्थों के अण भार निश्चित करना। क्वाली टिंब-डॉ का उत्तरत हिसांक अवसादन। अस्मेट दबाव। गल्ल का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान:—विद्युत अपघटन। विद्युत अपघटन का फैराडे नियम। वाष्पी मंश्यत्व। घनत्वशीलता उत्पाद। प्रबल तथा क्षीण अपघटन। अमल तथा बैंस (नोबल तथा बूनिस्टाइड की परिकल्पना) जी. एच. वण उभय प्रतिरोधी विलयन।

7. आव्सीजन अपचयन:—उत्थनिकी इलेक्ट्रोनिक परिकल्पना और आकर्षीजन अंक।

8. प्राकृतिक और कव्रिय विष्टर्टीमिकता:—नाभिकोय विलेंडन और संलग्न। विष्टर्ट नाभिक गणस्थानिकों के उपयोग अकर्वनिक रसायन विज्ञान।

अजैव रसायन विज्ञान:

नन्हों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके अव्वोगिकीय महत्वपूर्ण मिथ्या।

1. हाइड्रोजन: अवत तालिका में स्थित हाइड्रोजन का सम्प्रसारित—गणात्मक तथा घनत्वस्त्र विवरण। जल, कठोर तथा मद् जल, उद्धोगों में जल का उपयोग। भारी गनी और इसके उपयोग।

2. शूप 1 तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का निर्माण सोडियम हार्डोनेट। सोडियम हाइड्रोनेट और सोडियम क्लोराइड।

3. शूप 2 तत्व। आश तथा दम्भा हाजा चन। जिप्स। नाम्बर आफ एरिय। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. शूप 3 दीरक्षम्, एलमिट तल तैर एलम।

5. शूप 4 तत्व। कोडला, लकड़ी तथा गोस इंधन। सिलिकेट, जोलिग्रिस तथा अद्धर मूद्दालन। कीठा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. शूप 5 तत्व। अमोनिया और ताइट्रिक अम्ल का निर्माण। हैले फास्फेट और रिमाप्ट दिग्गायलाइर्स।

7. शूप 6 तत्व। हाइड्रोजन और आक्साइड, गंधक सल्फू-मिश्र धातु: निकल, मैग्नीन, इस्पात।

8. शूप 7 तत्व। फूलूरीन, क्लोरीन, बॉसीन और आयो-डीन का निर्माण तथा उपयोग। हाइड्रोजन एसिड। लैर्विंग पाउडर।

9. शूप (उत्कृष्ट गैस हीलिंग और इसके उपयोग)

10. धातुकर्मीय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम। चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट मंदर्भ के राथ धातुओं के निकालने की सामान्य पद्धतियां। इन धातुओं की मर्दीनिष्ट मिश्र धातु: निकिल मैग्नीज इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्रोहेड्रोल स्वरूप। संस्करण जी. एन. बंधन तथा उक्की सापेक्षत शर्तित। जल तथा वह बंधन अण का आकार। योगितीय तथा प्रकाशीय समावयकता।

2. एलकेन; एलकीन और एल्कलीन के नैपर वारने के गुण धर्मी और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां। एन्ट्रोलियम और इसका परिष्करण, डैंधन के स्तर में डम्प्टे उपयोग।

एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन:

अनुदाद और एरोमेटिकता। बैन्जीन तथा नोफ्थालीन और उसके साथ एरोमेटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं।

3. हैलोजीन व्युत्पन्नियां; ब्लोरोफ्टर्म, कार्बन ट्रोट्रोलोराइड, क्लोरोबेनजीन—डी. डी. टी. और गनवरीन।

4. हाइड्राक्सी मिथ्या—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल, मिथनोल, एथनोल, ग्लासरोल और फ्लिम के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एनिफर्मिक कार्बन अण पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं।

5. प्रथर—डाइथाइल इंथर।

6. एल्डीहाइड्स और केन्टास। फार्मलडीहाइड। एमीटेलाइज पेजेल्डाहाइड, एसोटीन एस्पाटाफोनील।

7. नाइट्रो योगिक एसीन, नाइट्रोबेन्जीन, डी. एन. टी. एनीलाम डाइजीनियम योगिक। प्रोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल: एमीर्क, एस्ट्रिटिक, बेनजोइक और सलिसिलिक अम्ल, एस्टोइल सेलिसिलिक अम्ल।

9. एस्टर एथालरोसीटिड, मिथाइल, सेनीमिलेट्स, इथाइल बंधार।

10. पालीमर्म: पोलीथीन टजलान, पहरैक्य, कृत्रिम रबड़, नायलान और पोलिस्टलन।

11. कार्बोहाइड्रेट, वसा और लिपीइर, एमीनो अम्ल और प्रोटीन विटामिन डौग हर्मेन्स की असंरक्षणात्मक अभिक्रिया।

गणित-1 (कोड सं. 05)

दीज गणित

अंक गणिती—वास्तविक अंक। पूर्णांक। पौर्णांक और अपरिमेय तथा उसके प्रारम्भिक गणधर्म।

प्रारम्भिक अंक सिद्धांत—विभाजा, लोगोरिथम विधि।

अभाज्य और संयुक्त संस्थाएं, गणित तथा गुणत्वांड-गुणन-खंड इमेय। महत्वम समायर्वाक और लघनम समापवर्ण यक्कीडीन एल्मोस्थिम

वृक्ष-गृष्णक और उसका प्रयोग ।

आधारी संक्षिप्त : सरल गृष्णनसंड़ । बहु-पदों का महत्तम अपवर्तक, लक्ष्यतम समावत्य । विधाती समीकरणों का हल, इसके हल और गृष्णक में संबंध ।

आधिक एल्गोरिदम ।

सूचकों के नियम ए. पी. और जी. टॉ. ज्यामितीय थोर्नियों और उसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग ।

क्रमचय और सन्तोनन । धनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विघपद पूर्णांक । सन्निकटन के लिए पूर्णांक सूचकों के लिए द्विघपद प्रमय का प्रयोग ।

युग्मपत थोर्नियक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनके हल । एक्स¹, एक्स² और एक्स³ पर वाई¹ के दिए हुए मूल्यों के लिए द्विघाती वक्र वाई¹=ए. + बी. एक्स + सी । एक्स² का संयोजन ।

युग्मपत रेखिक असामिक (दो अज्ञात संख्याओं) में और उनका शाफ 2×2 मैट्रिसेज और प्रारंभिक संक्षिप्त । तत्समक आवृह । 3 से अधिक क्रम का आव्य निश्चयन का विषय ।

भारीभक्ति विस्तार कलन

समकल आर्काति का क्षेत्रफल । धनों पिरामिडों, लम्ज वृत्तीय वैलनों के आवतन और धरातल—शकुं और गालक ।

त्रिकोणभिति

कोण और उनकी कीटिया और रौंडेन भ-माप । त्रिकोण-भिति अनुपात । योग के सूत्र । कोणों के अपवर्त्यों और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टनजंस्ट । मान की लाइन और टनजेन्ट का अर्थात्ता और ग्राफ । सरल उच्चार्ह और दूरी के सरल बहुन ।

त्रिकोणभितीय समीकरणों का हल ।

उच्चार्ह और दूरी के सरल प्रश्न ।

वैश्लेषक ज्यामितीय

समतल में रेखा का समीकरण । प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण । दो रेखाओं के बीच कोण । समान्तर और लंबीय रेखाएँ ।

दो सीधी रेखाओं का कोटिशयन समीकरण ।

वृत का समीकरण । सामान्य समीकरण । वृत के स्क्यॉर्ड और सामान्य समीकरण । दो वृतों के मूलाक्ष । वृत्तकुल ।

परवलय द्विवृत्त और अतिपरवलय का नक भी रण । वक्र पर किसी बिंदु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण ।

परिचय-2 (कोड सं. 06)

कलन (अवकलन और पूर्णांक) ।

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उसके ग्राफ । संयुक्त और व्युत्क्रम पलन वास्तविक फलनों का बीजगणित परिमेय और त्रिकोणभित्य फलनों के उदाहरण और फल-फलन ।

सीधा धारण और फलन और योगस्तर का सांतन्य फलनों की व्युत्पत्ति और भागफल ।

किसी बिंदु पर फलन का व्युत्पन्न । परिवर्तन का तत्कालिक दृश्य के रूप में व्युत्पन्न और चक्र का ढाल ।

फलनों के योग, अंतर गृणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियां, संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम का व्युत्पात्तयां । बहुपद फलनों, परिमर फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकाणामतीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकाणामतीय फलनों की व्युत्पात्तयां ।

फलनों का बाइ द्वीपु आनिश्चित् पूर्णांक

सरल भागलों में आव्य की परिगणन (सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशतः समेकन :

यांत्रिकी (सदिज पद्धतियों की अनुभाव होगी) ।

स्थानांकी । बल का निस्तृप्त बल समान्तर बतुभुज । बल का उत्तराजन और विभदन और समादृश और विपरीत बल । आघूर्ण बल युग्म । संतुलन के प्रांतबधुसगामी (बल और समतलीय बल 4 के अधिक नहीं) ।

बल विभजन ।

सरल पिछों का गूरुत्व केन्द्र ।

काय और शाक्त । सरल यंत्र (लौवर, घिरनी तत्त्व गियर) ।

गांतकी । कण का विस्थापन गांत वेग और त्वरण । सदृढ़ त्वरण के अंतर्गत, सीधी रेखा में गति । प्रक्षेपी से संबद्ध सरल प्रश्न । एक रस्सी सं वधे दा द्वयमानों की गांत । उज्जा विनियम ।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं. 07)

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवारों को बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरूचि का मूल्यांकन हो सक ।

व्यवित्तगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक एस वाड़ द्वारा साक्षात्कार किया गएगा जिसक सामन उम्मीदवार के शैक्षिक तथा बाहरी दानों प्रकार के जोवन वृत्त का आभलण्ह होगा । उनमें सामान्य हृत के मामलों म सबद्ध प्रश्न पूछ जाएग । उनके नेतृत्व म पहल-शक्ति और बींदूद्धिक उत्सुकता व्यवहार के शक्ति और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, व्यवहारिक प्रयोग को शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

परिचय-2

यांत्रिक हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति द्वारा उम्मीदवारों की ज्ञारीरीक परीक्षा के लिए विनियम ।

वे विनियम उम्मीदवारों की सूचिधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सूनिश्चित करने के लिए इन्हाँगत किया जाते हैं । विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षण और उन उम्मीदवारों का भागदर्शन भी वरना है जो विनियमों में विधिरित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है । किन्तु दोषी कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अन्तर्सार योग्य नहीं हैं तो भी चिकित्सा बोर्ड की भारत सरकार की उसकी अनुशंसा करने का अधिकार होगा । किसके लिए बोर्ड इस व्यापार के लिखित करणों का उल्लेख करेगा कि रप्रक उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है ।

वह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार का आंकिता बोर्ड को रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार हास्ता।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह ज़रूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दबें न हो जिससे नियुक्ति के साथ बक्षतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने का संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन मर्हिता) जाति के उम्मीदवारों की ओर, उच्चार्द्द और छाती के घरें के परस्पर संबंध के बारे में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपर्युक्त समझे, व्यवहार में लाए, यदि वजन, कद और छाती के घरें में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उनकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ बथवा अस्वस्थ घोषित करेंगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घरें के लिए कम से कम मानक नियमित है। जिसके बिना पूरा उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

छाती का वर्ष
केंद्रीय

	(पूर्व फैलाकर)		
	सेवा में	सेवा में	सेवा के
पूर्व उम्मीदवारों के लिए	152	34	6
भाँहका उम्मीदवारों के लिए	150	79	8

अनुसूचित जनजातियों तथा गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जैसा जांच का औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के उम्मीदवारों के मापन में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद नियमितित्व विधि में मान जाएगा :—

वह अपने बूते उतार देंगा और उसे मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) हस्त प्रकार सटाकर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े हैं और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगूठों या किसी ऐसे पर न पहँ। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होंगा और उसकी एड़िया, पिण्डिलिया, नितन्त्र और कधे मापदण्ड के साथ अग होगा। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिंजेटल धार याड़ी (छड़ि) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और बाधे सेंटीमीटरों में माप जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उस इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर के ऊपर बड़ी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका उत्तरी बजारा असफल हो (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणी (इन्फ्रोरियर एंचिल्स) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़ सप्ततल उत्तरी हारिंजेटल प्लेन) में रहे। फिर भजाओं को नीचे किया जाएगा और उह बाँधे के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कधे ऊपर या पीछे की ओर न

किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 80-83 आदि। माप, रिकार्ड करते समय आधा सेंटीमीटर से कम भिन्न प्रैक्चरन को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अंतिम निर्णय में पूर्व उम्मीदवार का कद छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होता। आधा किलोग्राम या उसका अंश नाट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर को जांच नियमितित्व विधियों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता (एव-नार्मलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, घलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्टिंगुअस स्टेक्चर) का कोई रोग हो जा तो उस अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बन सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) ईष्ट तीक्ष्णता (विजूअल एक्युटी) :—ईष्ट की तौलना का नियरिंग करने के लिए दो तरह की जाएगी। एक दूर का नजर के लिए और दूसरी नजदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चम्मे के बिना आंख को नजर (नेकेड आई विजन) की ओर ईष्ट न्यूनतम मीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होंगी, किन्तु प्रत्येक माप में मॉडिकल बोर्ड या अन्य मॉडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा, क्योंकि इससे आंस की हालत के बारे में मूल सूचना (रिस्ट्रिक्ट इन्फ्रामेड) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा को जाएगी और उसकी ईष्ट सूतीक्ष्णता रेलवे बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार मर्मित द्वारा नियोगित विधि के अनुसार की जाएगी।

चम्मे के साथ और चम्मे के बिना ईष्ट न्यूट्रिटिवा का मानक न्यूलाइट होगा।

	दूर का दूष्ट	निकट का दूष्ट
	अच्छी आवास	अच्छी आवास
	आंख	आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले	6/6 अवधा	6/12 अवधा
उम्मीदवारों के लिए	6/9 अवधा	6/9 अवधा

उपर्युक्ती (1)

(क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हापरमेटोपिया (फिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फँड्स के प्रत्येक भागों में परीक्षा की जानी चाहिए और उनका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरुरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम जामाना होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग संकेत के प्रभाव से और हिच्काहट के बिना पहचान कर होना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इक्षितहारों के प्लेटों और एंडिग्रीन जैसी दांतों मैटर्न का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के बासार इंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेड में होना चाहिए जो लैटर्न में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

ब्लड	रंग के प्रत्यक्ष		रंग के प्रत्यक्ष	
	ज्ञान का	ज्ञान का	ज्ञान का	निम्नतर ग्रेड
1. लेप्स और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट		
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मी० मीटर	1.3 मी० मीटर		
3. उदभासन काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड		

स्पेशल क्लास के अप्रोन्टेशन के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

इष्ट क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—भी सेवाओं के लिए सम्मुखीन विधि (कल्फ्लैटेशन नैथर्ड) इवार यूनिट इष्ट क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नीती असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब इष्ट क्षेत्र को परिणामी (रिमोटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

रत्नोंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) —वे वल भागों को छोड़कर रत्नोंधी की जांच नहीं हो सकती है। रत्नोंधी में दिसाई न देने की जांच करने के लिए टैन्डर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। जैसे कि यह काम-चलाऊ टेस्ट कर लेने का तरीका या इसके लिए करके या उम्मीदवार को अन्योन्य क्षमता देने के लिए इष्ट के बाद उससे विविध चीजों की दृश्यता देने की जांच करका रिकार्ड करना। उम्मीदवार के इष्ट के बाद नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)

इष्ट से तीक्ष्णता से भिन्न जांच की दशा (आक्यूलर कंडीशन) :

(क) जांच की बंग जंगी बिमा को या बढ़ती हुई अपवर्तन ग्रूटी (रॉयल इव एर), जिसके परिणाम स्वरूप इष्ट की तीक्ष्णता के रूप होने की संभावना हो, अयोग्यता वाले कारण सम का जाना चाहिए।

(ख) भैंगापन—जहां दांतों जांच की दृष्टि का होना जरूरी है भैंगापन अयोग्यता माना जाएगा जाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की हो वशों न हो।

(ग) एक जांच वाला विकित—एक जांच वाला व्यक्ति नियूक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी (6)

कान्टेक्ट लैस—चिकित्सा परीक्षा के बाराने उम्मीदवार के कान्टेक्ट लैस का प्रयोग करने तो अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि जांच का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए इष्ट अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फट कॉन्फिल की प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थिती में में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को शिखित करने को छूट झटकार के है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में दोड़े अपने निर्णय से काम लेगा। नामल में सीमान्य सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की कामचलाउ विधि निन प्रकार हैः—

- (1) 15 से 25 वर्षों के युवा व्यक्तियों में बौसूत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष के उम्पर की आयु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 जमा आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिसाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के उपर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम. एम. के उपर डाय-स्टालिक प्रेशर के संदिध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार की अयोग्य या योग्य छहराने के संबंध में अपनी अनेक राय देने से पहले बोड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल के रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटेमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाले इसका कारण की तोड़ी (आर्सिनिक) बीमारी है। इसे सभी मामलों में हृदय का एक रोग और इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (फ्लियरैस) की जांच की भी नेमी तौर पर भी जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतम फैसला केवल मैटिक्स बोड़ी ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमः पारे वाले दाब शायों (मर्करी बानोमीटर) किसम का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसम के व्यायाम या घबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं होना चाहिए। योगी बैठा हों या लेटा हों बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी जांच विधिया और जाराम से हों। यहां थोड़ी बहुत हों रजेंटिल स्थिति में योगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कन्धे से उपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच में रबड़ भूजा के अंदर की ओर रखकर और उसके निचले जिनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो हाँच उतार करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पटटी को फैलाकर समान रूप से लेटना चाहिए ताकि वा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह धगनी (बैकिजल आर्टरी) के दबा-दबा कर ढंढा जाता है और तब इसके उपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में

लगभग २०० एम. पुस्तकों हवा भरा आता है। इसके बाद इनमें धीरं-धीरं हवा न आता है। जैसा है। हैल्का कम सक व्याख्याएँ चुनाई पड़ने पर उसे त्वर पर नार का लोलम, दका होता है यह। प्रस्तावक प्रश्न देखा है और वह हवा। नकालों जाएगी तो और उस अनेकों सुनाई पड़ गया। उस सर पर साफ और अच्छा, सुनाई पड़ने वाला व्याख्यान हो रहा। वही हुआ है लुप्त प्रायः हो जाए वह डायस्टाइक प्रश्न है। लाड प्रश्न लाफो थोड़ी अद्यती में हो जाए, वाह है व्याख्या कहे, उस लिये समय का दबाव रखा के लिये क्षोभनाराह होगा है और इससे रॉडिंग गलत होती है। बाबू दायरी के लिये क्षोभनाराह होगा है जो कि उस से पूरी होगा। नकाल कर कुछ नकाल को लोड हो जायेगा उनका जारी। (कभी-कभी जारी करने में लोट होता है।) नकाल पर ऐतिहासिक स्वर तक व्याख्याएँ सुनाई पड़ती हैं, वाह, पर वह वाह है जाती है तथा नकाल पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस 'साइट गेप' से रोड़ा में नहाने हो सकता है।

४. परामर्शक वाले अस्थान में। यह यह दून वाले भी पराक्षा को जानी चाहते हैं और पारामर्श रेकॉर्ड लेना जाना चाहते हैं। जब भाड़िकल डार्ड को किसी उम्मीदवार का दून से रसायनोंका नारा इवायर बाकर वह पता चल तो याड़ इनके सभी पहलुओं को रसायन करने और मधुमेह (डायाबिटज) के दातक चिन्ह और लक्षणों को भी देखकर रूप से नोट करते रहते। यांद बाड़ उम्मीदवार को ग्लूकोज मह (ग्लूकोजूल्या) के संबोध अपेक्षित मीडिल फिलंग के रेकॉर्ड के अनुसार पाए तो वह उम्मीदवार का इश्त शर्त के साथ। फिलंग धार्दत दूसरा सकता है कि ग्लूकोज कहे अम्बुमहा। (ग्लूल डायबिटक) हैं और इस डार्ड का इस केस में डरने के किसी एंसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भर्जोगा जिसके द्वास अस्पताल और प्रयोगशाला को 'सुविधाएँ' हो। मोडिकल विशेषज्ञ स्टेण्डेंड ट्लड्ड्सुगर टालरस ट्रेट समूह जो भी विल्निकल लेवार टरों पर क्षाएँ जहर गमकते, भरना और जप्ती रिपोर्ट मोडिकल बोर्ड वाले बज देता जिस एर सोडिकल डार्ड को 'फिट' 'अनफिट' का अंतिम रूप आधारित होता है। दूसरे अदमर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने उसे उपारक्त होना जरूरी नहा होगा। औपचारिक के प्रभाव को समझा करने के लिए यह जरूरा हो सकता है कि उम्मीदवार वह कई दिन तक अस्पताल में दखारख हो रहा जाए।

५. यदि जांच के परिणाम काइर्माहिता उम्मीदवार १२ हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती रहे हैं जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक जस्तम्भ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रस्ताव दूसरे हो जाए। यहां रोजरटड़े चिकित्सा व्यवसायी का स्पस्थित प्रभाग पद इस्तरा उपर लगता है तारीख में ६ हफ्ते दाद आंगन प्रस्ताव पढ़ दी जिए उगमी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

१०. निम्नलिखित अनिवार्य वातावरण अनु दिया जाना चाहिए :—

(अ) उम्मीदवार कई दानों को जो अच्छा सुनाई पड़ता है उसके कान में बीमारी भी कहोहै चिन्ह नहीं है। यहां बोर्ड का जाने वाली अम्बारी परीक्षा का नियंत्रण इवायर द्वारा की जानी चाहिए। अम्बारी की सुनाई पर अधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता ब्रेस्ट के कान की बीमारी बहने वाली न हो।

- चिकित्सा परीक्षा अधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस इर्बंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शन जानकारी दी जाती है :—
- (i) एक कान में ब्रेकट अथवा (ग्रे लेवल) तथा अग्रांथिय वही पर बहरान दूसरा कान सामान्य नियुक्ति से तिथि अग्रोग्य।
 - (ii) दोनों कानों में बहरान से होना तथा अर्देन्स एवं एवं अथवा बोव जिसमें अवगत के नियंत्रित। अग्रांथिय। कुछ सुधार संभव हो।
 - (iii) सेंट्रल अथवा मार्जिनल ट्रिप के टिम्पोनिक बेम्बेन का लाड कर्जे रहने का भोई लिंग भी ज्ञान हो वार्ड एवं नूर्मल घाव का विशेष अप्रभाव न करना जहां नहीं माना जाता। स्वामी नहीं अप्रभाव वाले विशेष।
 - (iv) कान के एक ओर दोनों ओर मस्टाइट कैविटी से सरनाम व्यवण।
 - (v) बहते रहने वाले भावरे एवं किया गया बिना आपरेन्ट किया गया।
 - (vi) नासापुट की हुई पर्यावरण विशमताओं (बोनी टिक्काविरो) नहिं अथवा उसमें नियंत्रित घाव के जीर्ख प्रवाहक प्राल-विक दिता।
 - (vii) यारि अभ्यांस सहित नासापुट विशमान हो जो क्रमार्थ एवं विशेष।
 - (viii) शास्त्रिय और अथवा स्वर इन (लारिक्स) भी जीर्ख इटें दिता।
 - (ix) नृ विशमा जो उपरांत जाता विशमन हो तो उसमें लाल से अवोग्य।
 - (x) कान, नाक, गले (इंप्रेन्टों) के हल्के अथवा अपने स्वर वर सुदर्शन्यमर।
 - (xi) उम्मीद दृश्यर अवोग्य अवण इन्होंने बहारता से या उपरांत के बाद ३० एवं अल व्रवणग के बदल दृश्य रोग।
 - (xii) दृश्य अवार अप्रेन्टिसेन के जिल अवार। आपरेन्ट के बाद अवार सहायता की सहायता से सुवार्द्ध इन्होंने ३० डेसिविन के अवार होने पर रवण।
 - (xiii) आस्टोकिलटोसेस दृश्य अवार अवार अवार के बाद अवार सहायता की सहायता से सुवार्द्ध इन्होंने ३० डेसिविन के अवार होने पर रवण।
 - (xiv) कान, नाक अथवा गले के अम्बारी जात दाढ़।
 - (xv) यारि कान काढ़ में ब्राष्ट न होती योग्य।
 - (xvi) नासा वाला में हकलाइ हो तो अग्रोग्य। अग्रोग्य सप से अग्रोग्य।

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हक्कनाटा/हक्कनाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालात में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए ज़हरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचूर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोमील, बढ़ी हाइड्रो वेरिकोसिल, वेरिका (शिशुवन) या डवासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों ढाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भाँति स्व-संत्र स्पृ से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थाई त्वचा बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उम् या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं। जिनमें कमज़ोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फंकड़ों की ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

कोई राग मिले तो उसे प्रभाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मैंडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपर्याप्त दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इसे बाधा पड़ने की अभावना है या नहीं।

टिप्पणी (क)—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्थायता निर्धारित करने हेतु नियूक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे ट्रॉड बिशेष हो या स्थार्ड हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है, किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिया जाने पर भविष्य हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दमरै बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार जो गणण जिस त्रै में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय मूल्यांकित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दमरै चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अन्तरोध परिचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा एवं लोडर के विनियन्त्रण में
निषंश समस्याकी ब्रूटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण-पत्र के स्पष्ट
हों तो लोडर लिंकिंग इमारत अपने जाता है तो उसी
प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई आज नहीं दिया जाएगा जब तक
इसमें सम्बद्ध लिंकिंग अवगती की इस आदान की ट्रिप्पणी
अनुकूल न हो कि ब्रूटि लिंकिंग इस तथ्य की परवी तरत जाते द्वारा
अनुकूल की गई है कि उक्त उम्मीदवार लिंकिंग लोडर नदारा
द्वारा देखा जाएगा तो उसके एवं उसकी लिंकिंग के द्वारा

टिप्पणी (३)---अर्थात् चिकित्सा वाङ्मय के बारे व्याख्या ग्रन्थ अधील
व्याकाशमय वारे कोटी और अपोलोग्य चिकित्सा वाङ्मय
का निर्णय पाठ्यकाल होगा।

मैडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मॉडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेटेंडिंग में भवित्वन्धन उर्ध्मीदार छी आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए गंजाइश करनी चाहिए ।

2. किसी एमेरिकी को प्रतिक्रिया के लिए दोष नहीं रामबाण जाएगा जिसके बारे में वथास्थिति सरकार या नियंत्रित डायनेकारने (अदाइंटिंग अश-रिनी) को यह नसलली नहीं हैंगामी कि रस्ते एमेरिकी कोड फ्रीमार्गी या शारीरिक दब्रलता (ब्लिंगी इनफ्रारेडी) भड़ड़ी भूमि जिससे वह उस सेवा के लिए अधोग्य हो या उसके लागतों हानि की मंशात्मा हो।

3. यह बात समझ लेना चाहिए कि शोरगता का प्रदूषण भविष्य से भी जनन ही सम्बद्ध है इसलाई वर्णनात ये हैं और ऐडिकल परीक्षा का एक मात्र उद्देश्य पिरन्टर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थार्ट नियुक्ति के लघ्बीदार के गमले भी अकाल मृत्यु होने पर समाप्त पर्याप्त ऐश्वर्य द्वारा अदायगियों को रोकता है। भाषण वर्ती गहरी और कठुना हिंदू जाएँ यह जहाँ प्रजन केवल निरन्तर लक्षण रोग नहीं संशयना का है और उम्मीदार हो लघ्बीत उच्चे ऊपरी मलाह तक हालांकि पैर नहीं ही जानी चाहिए उचिक कोई रोगा दर्शन नहीं हो केवल वहाँत कम स्थितियों में पिरन्टर लक्षण रोगों द्वारा जाएँ गया हो।

4. मर्हिना उम्मीदवार दौरे परीक्षा के लिए किसी जेनी लास्टर को मैडिकल शोर्ट के पदम् ने लए है तो इसे विभिन्न ट्रिप्पा जायेगा।

5 डाकघरी गोहैं की रिपोर्ट को गोपनीय घोषित करिए।

६ उमेर मामलों में जब कि फोर्ड लाइसेन्स ग्राहकरी गता में तियकित के लिए अधिक कारण दिया जाता है तो वो और तीर पर उपके अधिकारी दिये जाने के उद्धार गर विषयक समिकारी द्वारा नमीनावर नो समझे जा सकते हैं यह विषय लागतरी होड़ में जो समानी नमीनावर जाकर विषयक समझे जाएगा ।

7. तांत्रे धर्मार्थे तो एको वासनार्थी द्वेर्वा ना ना धर्मार्थे तो
द्वि धर्मार्थी तेहु दे भिन्न वासनार्थी तो वासने तो वासना
लौटी-धोरी खगही चिकित्सा (वैष्णवा गा शहा) लारा हर द्वे
सक्ती तो तेहु वासनार्थी तोर्वे वासना तो वासना तो वासना विकार
किया जाता चर्चित । विकार वासनार्थी वासना तो वासने तो
वासनार्थार तो तोर्वे की वासना विकार विकार तो तोर्वे वासनार्थी
तो तोर्वे तो तोर्वे वासनार्थी वासना तो तोर्वे तो तोर्वे वासनार्थी तोर्वे
तो वासनार्थी वासना विकार तो वासनार्थी वासना तो वासना विकार

(३) उपरीदार का क्रम और लोकान्

ਦੁਹੀ ਵੈਕਾਨ ਪੜ੍ਹਿਆ ਕੇ ਪਾਰੂ ਚੁਪੀਆ ਕੇ ਬਿਲੀਅਤ
ਗੈਲੋ ਰੋਟੇ ਸੈਡ ਕੁਹਿਆ ਕੇ ਆਪੇ ਵੱਡੇ ਸੈਡ ਕੁਹਿਆ (Bogachis) ਕੇ ਉਚੇ ਉਚੇ ਰੋਟੇ ਸੈਡ ਕੁਹਿਆ

मेरे डॉलसित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विद्युत स्पष्ट से ज्ञान देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें :—
(साफ लकड़ी में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताये।
3. (क) क्या आप गोरखनाथ, गदवाली, अश्विमथा जैसी जातियों नागालैण्ड जाति-जाति आदि देशों से किसी से संबंधित हैं जिनका दैरात कह दृश्यों से कम होता है “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हाँ” में हो तो उस जाति का नाम बताइए।
4. (क) क्या आपको कोई चेचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा वृक्ष, गंभिरों, (गोले)इस का बढ़ाया या इनमें ऐसे पड़वा शब्द ये रच आना, देखा, दिल की बीमारी, कोफले की बीमारी, मूर्छा देने वाले क्षमितज्ज्ञ या क्षमितज्ज्ञित वाक्य हैं।

अथवा

- (क) दूसरी कोई नीमारी या दर्ढटा, जिसके कारण शरण पड़ जाएं तो उसका दर्ढा दूने हों, और जिसका गोड़िल या गर्भिल शाक दिक्का गया हो, हाँ है ?
5. क्या आप या आपका कोई निकट का सम्बन्धी कभी कलज्जाइन शीरोहना आया, तथा, कोई अपमान या पाशलपद का शिकार हुआ है ?
6. क्या आपको अधिक काम गा किमी दूररे कारण से किसी किस्म की शरीरता (नर्वमनोस) हाँ है ?
7. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्यारे दें :—

यदि पिना जीवित पृथ्वी के समय पिता आप के किनने साई आपके किनने हो तो उनकी आयु की आग और मृत्यु जीवित हैं उनकी भाङ्गीयों की मृत्यु और स्वास्थ्य की का आरण आयु और स्वास्थ्य हो चुकी है मृत्यु भी अवस्था के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण।

1	2	3	4
यदि माता जीवित	मृत्यु के समय	आपकी किननी	आपकी किननी
हो तो उनकी आयु	माता की आयु और वहने जीवित हैं	बहिनों की मृत्यु	
और स्वास्थ्य की	मृत्यु का कारण	उनकी आयु और	हो चुकी है मृत्यु के
अवस्था		प्राणश्चय की अवस्था	समय उनकी आयु
			और मृत्यु का
			कारण।

- 5
- 6
- 7
- 8
8. क्या इसके पहले किसी मंडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?
9. यदि लघर के प्रश्न का उत्तर “हाँ” में हो तो बताइए किस सेवा/दूत सेवाओं ते निये आपकी परीक्षा की है ?

10. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ।

11. कव और बड़ा मंडिकल बोर्ड हुआ ?

12. मंडिकल वे डॉ की परीक्षा का दरिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी मदात मही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किये

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थी के लिये उम्मीदवार जिसमें दाव होगा। जानवृक्षकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेखा और यदि वह नियक्त हो भी जाये तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सूपरएन्डेशन बलाउन्स) या उपदान (ग्रेच्युटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)
की शारीरिक परीक्षा करने पर मंडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा
बीच वा	बराबर
र्धेष्वर : पतला	(आसत)
मोटा	कद (जूते उतारकर)
वजन	अत्युत्तम वजन कब था?
वजन से कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमात्रा
छाती का धेर
(1) कोई बीमारी
(2) पूरा सांस निकालने पर
2. त्वचा—कोई जाहिर बीमारी
3. नेत्र :	
यदि पता लगा है तो पूरा बीमार दे :
(2) रत्नधी
(3) कलर विजन व दोष
(4) दौष्ट क्षेत्र (फौल आफ विजन)
(5) दौष्ट तीक्ष्णता (विज़ुअल एक्वीटी)
(6) फण्डस की जांच

दृष्टि की तीक्ष्णता	वर्षमे के विना	वर्षमे से	वर्षमे की पावर स्कीलिंग एक्सेस
दूर की नजर	दा० नै०		
	दा० नै०		
पास की नजर	दा० नै०	दा० नै०	
	दा० नै०		
हाईपरमीट्रिपिया (व्यक्ति)	दा० नै०		
	दा० नै०		

4. वात : निरेक्षण	सुनना
दायां कान	दायां
5. ग्रीथियाँ	थाइराइड
6. दांतों की हालत	दांत

7. शृंगन तंत्र (रेसपायरटरी सिस्टम) — क्या आरोग्य परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी बगावान्करण का पता लगा ?

यदि पता लगा है तो परा औरा दे ...
पारसान्नता तंत्र (मर्फ्टलेटरी सिस्टम)

8. हृदय : कोई आंगिक प्रश्न कार्डिनल मीठण—
गति (टेट) खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद
ब्लड प्रेसर सिस्टालिक
डायस्टालिक

9. उदर (पेट) घेरा स्पर्श सहायता हर्निया
.
(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर
तिल्ली गुदर्च द्युमर
. .

(ख) स्करार्श
भंगदर

10. तांचिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक असामान्यता का संकेत
साल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
कोई अपसामान्यता

11. तांचिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक हाइड्रोसील, बैरिकोसील आदि का कोई संकेत :—

12. मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैसा दिलाहै पड़ता है ?
- (ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
- (ग) एल्बूमीन
- (घ) शक्ति
- (इ) काप्टस
- (च) कौशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट :

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, दोस्रे विनियम 9.1.

15. उम्मीदवार परीक्षा पास कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दक्ष सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है ?

स्थान

कारोबा

अध्यक्ष

सदस्य

परीक्षण 3

इस परीक्षा के आधार पर चूने गए स्पेशल क्लास अप्रैन्टिज हेतु अप्रैन्टिसिप की शर्तें

अप्रैन्टिसिप की शर्तों का उल्लेख हैंडबुक रेलवे एस्ट-बिलिशमेंट मैनेजमेंट में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिज के रूप में नियुक्ति के लिए प्रमाणित उम्मीदवार को निर्धारित प्रवत्र में इन धारण का करार करना होगा कि सरकार की संतृप्ति के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के स्वयं में प्रस्तावित नियुक्ति दो स्वीकार न करने की स्थिति में जो धा उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लैटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिश्वेत संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय लेने का एक-मत्र अधिकार होगा ।

अप्रैन्टिस की शूल में एक चार वर्षीय प्रायोगिकी तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशाद के द्वाधक अनुबंध पत्र के अंतर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी । उसकी अप्रैन्टिसिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तभी रखी जाएगी जब जिम अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे वंतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है । अप्रैन्टिसिप के दौरान यदि यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रैन्टिसिप से अलग कर दिया जाएगा ।

टिप्पणी :—भारत रेलवे उपनी विवाद पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है ।

2. अप्रैन्टिसिप की चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा । स्पेशल क्लास अप्रैन्टिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एजामिनेशन (लंदन) का भाग-1 और भाग-2 इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (हैंडिंग) एजामिनेशन की एसीमेट्र मेम्बरशिप का सैक्षण 'E' और 'B' अवध्य पास करना चाहिए । अप्रैन्टिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 1300/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान क्रमशः 1400/- और 1500/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी । अप्रैन्टिसिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होता । इसमें क्ल छ: सिमेस्टर परीक्षाएं होंगी जिनमें प्रत्येक का उच्चीय अनुरूप अन्वित दोनों योग्यताएं दोनों प्रकार का असफल रहने हो तो उसके निष्पादन को दखेते हए उन्हें परक परीक्षा में बैठेंगे और उसमें उच्चीय होने या अग्रणी निष्पादन देखने में उन्हें जाने दो गा अप्रैन्टिसिपिंग में हट जाने को कहा जाएगा ।

टिप्पणी :—सिवाए जैरा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह असंधीनता असंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाना है या कोई करार भंग कर दिया जाता है अप्रैन्टिसिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा ।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण को चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रैन्टिंगों की एक सूची दी गई परीक्षा या अप्रैन्टिंग-शिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योग्यताक्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रैन्टिंग यांत्रिकों इन्जीनियरों को भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

टिप्पणी—किसी भी प्रशिक्षु को अर्हक स्तर पर योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हो, जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इन्जीनियरी संस्थान जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हो।

4. असफल प्रशिक्षकों को, एक महीना पहले यह सचना देकर कि उसकी प्रशिक्षता असफल रही, प्रशिक्षता से नियुक्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रैन्टिंग-शिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक प्राप्त करने के बाद परिवीक्षा 4 के नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अन्सार अप्रैन्टिंग-शिप को यांत्रिक इन्जीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इन्जीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के बेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिवीक्षा-4 में दिए गए हैं।

परिवीक्षा-4

यांत्रिकी इन्जीनियरों का भारतीय रेल सेवा से संबंधित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्त और बेतन का आरम्भ (क) अप्रैन्टिंग-शिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (क) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी नाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रैन्टिंग-शिप के जो अपने अप्रैन्टिंग-शिप के 4 वर्ष के भीतर ए. एम. अर्ड. एम. है. (लन्दन) के भाग 1 और 2 इ. ए. एम. अर्ड. (इण्डिया) के भाग ए. और बी. परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिवीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिसमें वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट :—(1) परिवीक्षकों के सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक बेतन विध्यार्थी स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए;

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनके एक ग्रन्तके भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संबोधित भी हो सकता है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों के कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इन्जीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण को इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परिवीक्षत की नियुक्ति होती है, यहां के मूल्य परिवालक अधीक्षक द्वारा सम्मीलित रूप से आयोजित होगी। जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें द्वारा बैठने की अनमति नहीं दी जाएगी। जब तक कछु अपवादिक परिस्थितियां न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छुट करे उपर्युक्त प्रमाणित न करे। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकर नहीं हो सकेगा और/या परिवीक्षा अवधि शावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दो वर्ष परा होने के पहले उनका एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्राकलन सामान्य और आनंदगिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारोगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम करने का कौशल तथा परिवीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी सामान्य कन्त्र-प्रयोगता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परिवीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी बेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। नियित अवधि के अन्दर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई पूर्ण परिवीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की बेतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित होती है। इस दशा का धान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनमति नियमान्वासर नहीं दी जाती है जब तक कि कछु अपवादिक परिस्थितियां न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कछु ऐसो न हो कि इस प्रकार की छुट उपर्युक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें : सरकार, अपने निर्णय के, किसी भी कार्यधारी परिवीक्षण अवधि में और परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। लगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परिवीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परिवीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिखि में हिन्दू की किसी अनुसोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण होना चाहिए या परिवीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा विद्या निदेशक, दिल्ली के साध्यम द्वारा आयोजित हिन्दू प्रवीण या केंद्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समझक्षम परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और

न उसकी वेतन सामरिक वेतनमान में रु. 2350.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा को पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद परीक्षा के आधार पर यांचिक इंजी-नियरी, को भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें, उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को :

- (क) परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी,
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांचिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

- (क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और
- (ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों के जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं लागू है।

7. परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में निम्नलिखित है।

8. इन विविधमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं अनुसार छूटी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परिक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परिवर्जना में

स्थानान्तरण कर सकें। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांचिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में नियुक्त अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दर्श ग्राह्य है :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु. 2200-75-2800 द. रु.-
100-4000/-

वरिष्ठ वेतनमान : रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-
5000/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1) रु. 5100-150-5700 (2)
रु. 5900-200-6700/-

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतन मान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यरम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले की उक्त समयमान में उनका वेतन 2275.00 रु. प्र. मा. से 2350.00 रु. प्र. मा. तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं 2275.00 रु. ने 2350.00 तक वृद्धि रेक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ो हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख के अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस व्यवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन-वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन-वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदान्वति संस्थानीय स्थापना में विविधताएँ होने पर ही होती है और पूरी तरह चयन पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदान्वति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 21st December 1992

CORRIGENDUM

No. 126-Pres/92.—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 102-Pres/92, dated the 15th August, 1992, published in Part-I, Section-I of the Gazette of India, dated the 29th August, 1992 relating to the award of Police Medal for Meritorious service on the occasion of Independence Day, 1992.

AT PAGE 17

For—SHRI RAUT YASHWANI SAKHARAM
HEAD CONSTABLE
Crime Branch,
Thane, MAHARASHTRA.

Read—SHRI YASHWANI SAKHARAM RAUT
HEAD CONSTABLE
Crime Branch,

Thane,
MAHARASHTRA.G. B. PRADHAN,
Director

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 25th November 1992

ORDER

Subject:—Regrant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313.0 sq. kms.

No. O-12012/14/92-ONG.D.IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan Dehra Dun (hereinafter referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 1st Jan. 1993 (1-1-1993) for Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the term and conditions mentioned below:—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:
 - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.
- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—
 - (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;

- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313.0 sq. kms.

Point	Latitude	Longitude
K'	22° 45'	00" 67° 55' 00"
L	22° 45'	00" 68° 40' 00"
A	23° 00'	00" 68° 40' 00"
B	22° 45'	00" 69° 12' 00"
C	22° 45'	00" 69° 19' 00"
F	22° 33'	00" 69° 19' 00"
G	22° 33'	00" 68° 55' 00"
H	22° 12'	00" 68° 55' 00"
M	22° 10'	00" 68° 20' 00"
O'	22° 10'	00" 68° 05' 00"
O	21° 55'	00" 68° 05' 00"
Q	21° 55'	00" 68° 11' 30"
R	21° 39'	00" 65° 11' 30"
J	21° 39'	00" 67° 55' 00"

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A. Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B. Casing-head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less Columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C. Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

(Signature)

M. MARTIN,
Desk Officer

ORDER

Subject:—Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq. kms.

No. O-12012/26/92-ONG.D.IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhawan, Dehra Dun (herein after referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 2nd September, 1992 (2-9-1992) for Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below:—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:
 - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
 - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—

- (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.

- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessels in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

SCHEDULE 'A'

Geographical coordination of Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq. kms.

Point	Latitude	Longitude
A	11° 19'	14°N 80° 03' E
B	11° 20'	16°N 80° 01' E
C	11° 18'	17°N 79° 58' E
D	11° 14'	07°N 79° 58' E
E	11° 13'	45°N 50° 02' E

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total No. of cubic Metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare, and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India

(Signature)

M. MARTIN
Desk Officer.

ORDER

Subject:—Regrant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for RSP structure area measuring 600.00 sq. kms.

No. 0-12012/64/ONG D.IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehra Dun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 18th March, 1991 (18-3-1991) for RSP structure area measuring 600.00 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the term and conditions mentioned below:—

(a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.

(b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.

(c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:

(i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

(d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—

(i) Rs. 8/- for the first year of the licence;

(ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;

(iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;

(iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;

(v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

(l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

(m) The Commission should ensure security of oceanographic data.

(n) The entire data is processed in India.

(o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.

(p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates for RSP structure are measuring 600.00 sq. kms.

Point	Latitude	Longitude
A*	18° 00' 00"	72° 03' 00"
B	18° 00' 00"	72° 12' 00"
C	17° 40' 00"	72° 12' 00"
D	17° 40' 00"	72° 03' 00"

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A.—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less column 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B.—Casing-head condensate

Total Number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C.—Natural Gas

Total Number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

(Signature)

M. MARTIN, Desk Officer.

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 29th October 1992

CORRIGENDUM

No. 14/1/92-Hindi.—The initial paragraph of this Ministry's Resolution of even number dated 4th August, 1992 may be read as under:—

"No. 14/1/92-Hindi.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 14/1/89-Hindi dated 3rd January, 1992 the Government of India has decided to modify the Constitution of the Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Water Resources. The Composition and functions etc. of this Committee will be as under."

ORDER

Ordered that a copy of this corrigendum be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territories Admin. President Secretariat, P.M.'s Office, Cabinet Secretariat, Deptt./Parl. Affairs, Lok Sabha Secretariat, Raivya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Minsitry/Deptts of Government of India.

Ordered also that the corrigendum be published in the Gazette of India for General information.

ABHAY PRAKASH, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

RAILWAY BOARD

RULES

New Delhi, the 2nd November 1992.

No. 92/E(GR)I/1/11.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1993 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices' in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either:

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Za're, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India. Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January 1993, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1973 and not later than 1st January, 1977

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991

(iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also is a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.

(iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof

(v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(vi) upto a maximum of five years in case of ex-service men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1993, and have been released (i) on completion on assignment (including those whose assignment is due to be com-

picted within one year from the 1st January, 1993 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.

- (vii) upto a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1993) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (viii) upto a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (ix) upto a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

NOTE I—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

NOTE II—Candidates falling under Rule 5(b)(ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government

of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10 plus 2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subject of the examination, or
- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination of the pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply ; provided the first/second year examination is conducted by a University; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University, approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : Provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Note I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

Note II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th August, 1993.

Note III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note IV.—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidate alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the facts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railways Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government

or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates, who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturday, Sunday and Closed Holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The candidates may also please note :

(i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

(ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and

(iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

(a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person; shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix.

MASIIUZZAMAN
Secy., Railway Board.

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below;

Part II—Personally Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl. No.	Subjects	Code No.	Time Allowed	Maxi- mum Marks
1.	English	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II (Calculus-Differential and Integral and Mechanics Statistics and Dynamics)	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE-II). THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

English (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

General Knowledge (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of foodgrains and finished products, population explosion, population control, Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth, Seasons, Climate, Weather Soil—its formation, erosion. Forests and their uses. Natural calamities cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions. Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including Oil. Conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves, Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture, Ajanta and Elora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of Government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system: the caste system—hierarchy—recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition. Social control—reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion, agencies of social control—family, religion, state educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth. Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problem of resource mobilisation: India's Five Year Plans.

PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion, Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple. Newton's law of gravitation, Escape velocity.

Acceleration due to gravity.

Mass and Weight, Centre of gravity, Uniform circular motion, Centripetal force, simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth, Pascal's law. Principle of Archimedea. Floating bodies, Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion, Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases, Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat, thermal conductivity.

Wave motion, Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses, Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisma, deviation and dispersion, Minimum deviation, Visible spectrum.

Field due to a bar magnet, Magnetic moment, Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential, Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f., resistance, Ammeter and voltmeters. Ohm's law; resistances in series and parallel, per unit resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid, electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; Simple A.C. and D.C. generator, Transformers. Induction coil;

Cathode rays, discovery of the electron. Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy; fission and fusion, conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY (Code No. 04)

Physical Chemistry

Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration, Aufbau Principle, s.p.d. and f. block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding, Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds. Bond Properties, sigma and Pie bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction. Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics, Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action, Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application, to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions, Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances, Elevation of boiling points. Depressions of freezing point, osmotic pressure. Raoult's Law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis, ionic equilibria, Solubility product.

Strong and weak electrolytes, Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity. Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds;

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries, Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum, Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. (Coal. Coke and solid Fuels, Silicates, Zolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine, Chlorine, Bromine and Iodine. Hydrochloric acid, Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General Methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbin. Hybridisation and sigma pie bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reaction of alkanes, alkenes and alkynes, Petroleum and its refining—Its uses as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues: Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene. D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reaction at aliphatic carbon atom.

5. Ethers; Diethyl ether :

6. Aldehydes and ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde, Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene. TNT, Aniline Diazonium Compounds, Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids, acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teflon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates, Fats and Lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)

Algebra

Number Systems—Natural numbers, integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M., Euclidean Algorithm. Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y=a+bx+cx^2$ for given values of y at x^1 , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids, right circular cylinders; cones and spheres.

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine, and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angles between two lines. Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

MATHEMATICS II (Code No. 06)

Calculus (Differential and Integral)

Real functions through examples, their graphs, Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible).

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces, Compositions and resolutions of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

REGULATION FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportions with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as below :

	Height	Chest girth fully expanded	Expan- sion fully expanded
Male candidates . . .	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female Candidates . . .	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of centimetres of halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffer from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum normal eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and in accordance with the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates . . .	6/6	6/12		
below 35 years	or	or		
of age . . .	6/9	6/9	J-I	J-II

Note : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D.

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed+4.00D.

- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grades depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16 Feet	16 Feet
2. Size of the aperture	13 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) *Squint.*—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed persons.*—One eyed person will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of the candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

The rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic system over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea a clearance test should be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following terms of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sound are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after

complete deflation of the cuff. (Sometimes, at the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where the Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate capable to be standard of medical fitness requires they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified expert in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialities will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effect of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A women candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit till the confirmation is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

(B) The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case hearing is defective the candidate should be examined by an Ear Specialist provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation but without the use of Hearing Aid, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

(i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(ii) Perceptive deafness both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices

(iii) Perforation of tympanic membranes of central or marginal type

Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of hereditary lesion would not be a cause for disqualification.

(iv) Bars with mastoid cavity Sub-normal hearing on one side/both sides.

Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(v) Persistently discharging ear operated/inoperated

Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.

(vi) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If debrided nasal septum is present with symptoms temporarily unfit.

(vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx-Fit.

(viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(ii) Hoarseness or voice & severe dearee if present then—Temporarily unfit.
(i) Benign tumours Temporarily unfit.

(ii) Malignant tumour Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(ix) Otosclerosis

If the hearing is within 3 decibels after operation with the help of hearing aid Fit.

(x) Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of Severe degree—Unfit.

(xi) Nasal Poly.

Temporarily Unfit.

- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well-formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he/she is not repudiated;
- (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his/her limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;
- (i) that he/she does not suffer from Inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note (a) Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Note (b)—No appeal would be preferred after Appellate Medical Board and the decision of the Appellate Medical Board would be final.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner;

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, of any of the candidate concerned.
2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.
3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.
4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.
5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.
6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.
7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declara-

tion appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).

.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place.

.....
.....
.....

3 Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

4 (a) have you ever had small pox, Intermittent or any other fever. Enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....
.....
.....

5 Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, serofula gout, asthma fits, epilepsy or insanity?

6. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

7. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
1	2	3	4

Mother's age if living and State of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
5	6	7	8

8. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....
9. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for?

10. Who was the examining authority ?

.....

11. When and where was the Medical Board held ?

12. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board
Signed in

NOTE : The candidate will be made responsible to the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing and information he will incur the risk of losing the appointment and if appointed of forthcoming all claims to Superannuation Allowance or Gratuity

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination.

I. General Development :

Fair
Good
Poor

Nutrition Thin.....average.....
..... above

Weight Best weight

When Any recent change
in weight ?

Temperature

Girth of Chest :—

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses
------------------	-----------	--------------	---------------------

Distant vision	R.E. L.E.		Sph. Cyl. Axis
----------------	--------------	--	----------------

Near vision	R.E. L.E.		
-------------	--------------	--	--

Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.		
--------------------------	--------------	--	--

4. Ears : Inspection.....Hearing.....

Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.

If yes, explain fully

8. Circulatory Systems :

(a) Heart : any organic lesion
Rate : Standing.....
After hopping 25 times

2 minutes after hopping

Blood pressure :
Diastolic : Systolic

9. Abdomen Girth Tenderness

..... Hernia

(a) Palpable : Liver.....
Spleen Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoid Fistula

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele
Varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical
- (b) Spl. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-ray examination of Chest

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate. If it is found that she is pregnant of 12 week standing or over the should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

APPENDIX III
Conditions of Apprenticeship for Special Class

Apprentices Selected through the Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Establishment Manual, brief particulars of which in prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examinations. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, in temperance or other misconduct or breach of agreement a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the Intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training which ever is later :

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE :—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd year of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each Officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagri script of an approved standard. The examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 2350.00 per month unless he

fulfi's this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that Fund

As applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of

India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-

Senior scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500/-

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000/-

Senior Administrative Grade : (i) Rs. 5100-150-5700/-.
(ii) 5900-200-6700/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 2275.00 p.m. to Rs. 2350.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 2275.00 to Rs. 2350.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claims for such promotion.

